भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1083

जिसका उत्तर 27 जून, 2019 को दिया जाना है।

.....

नदियों को परस्पर नहीं जोड़ने के कारण बाढ़ का आना

1083. श्री धर्मबीर सिंह:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अधिकांश समय बाढ़ से तबाही नदियों को परस्पर नहीं जोड़ने के कारण होती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने सभी नदियों को परस्पर जोड़ने के लिए कोई योजना बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या हरियाणा राज्य में भी नदियों को परस्पर जोड़े जाने की संभावना है और यदि हां, तो नदियों के नाम सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है, जिसका सामना भारत को अलग-अलग मात्रा में लगभग हर वर्ष करना पड़ता है। सामान्य पैटर्न से बारंबार अलग तरीके से समय और स्थान दोनों स्थितियों में वर्षापात में व्यापक भिन्नता, नदियों की अपर्याप्त संवहन क्षमता, नदी तट कटाव और नदी तल में गाद जमा होना, भूस्खलन, बाढ़ प्रवण क्षेत्रों में खराब प्राकृतिक जल निकासी, हिम गलन और ग्लेशियल झीलों के टूटने सहित विभिन्न घटकों से बार-बार बाढ़ आने की घटना हो सकती है। नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी परियोजना में अंतर-बेसिन जल अंतरण जोड़ों के माध्यम से अतिरिक्त जल की कमी वाले क्षेत्रों में डायवर्ट किया जाना प्रस्तावित है। अंतर-बेसिन जल अंतरण के लिए सृजित भंडारणों के कारण कुछ हद तक बाढ़ को नियंत्रित किया जा सकेगा।

(ख) राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय (जो अब जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय है) द्वारा जल की अधिकता वाले बेसिन से जल की कमी वाले बेसिन में जल अंतरण के लिए अगस्त, 1980 में तैयार की गई थी। एनपीपी के तहत, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) ने साध्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए 30 जोड़ों (प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 और हिमालयी घटक के तहत 14) की पहचान की थी। उपर्युक्त नदी जोड़ परियोजनाओं जैसे नदियों, संबंधित राज्यों का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

(ग) हरियाणा राज्य में किसी भी नदी को एनपीपी की नदी जोड़ परियोजना में शामिल नहीं किया गया है। तथापि, हिमालयी घटक के तहत प्रस्तावित यमुना-राजस्थान जोड़ में हरियाणा राज्य के लिए लाभ की अभिकल्पना की गई है।

अनुलग्नक

"नदियों को परस्पर नहीं जोड़ने के कारण बाढ़ का आना" विषय पर दिनांक 27.06.2019 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 1083 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

अंतर-बेसिन जल अंतरण जोड़ों के नाम, शामिल राज्य, नदियों के नाम और साध्यता रिपोर्टों/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की स्थिति

क्र.सं.	नाम	नदियां	संबंधित राज्य	की स्थिति
	प्रायद्वीपीय घटक			
1	महानदी (मणिभद्रा)-गोदावरी (दोलेश्वरम) नदी जोड़	महानदी और गोदावरी	ओडिशा, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्णाटक और छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट (एफआर) पूरी की गई
2	गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (पुलीचिंताला) नदी जोड़	गोदावरी और कृष्णा	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
3	गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुन सागर) नदी जोड़	गोदावरी और कृष्णा	ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
4	गोदावरी (पोलावरम)-कृष्णा (विजयवाड़ा) नदी जोड़	गोदावरी और कृष्णा	ओडिशा, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
5	कृष्णा (अलमत्ती)- पेन्नार नदी जोड़	कृष्णा और पेन्नार	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
6	कृष्णा (श्रीसैलम)-पेन्नार नदी जोड़	कृष्णा और पेन्नार	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
7	कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमसिला) नदी जोड़	कृष्णा और पेन्नार	महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
8	पेन्नार (सोमसिला)-कावेरी (ग्रैण्ड ऐनीकट) नदी जोड़	पेन्नार और कावेरी	आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु केरल और पुदुच्चेरी	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
9	कावेरी (कट्टालाई)-वैगई-गुन्डार नदी जोड़	कावेरी वैगाई और गुंडार	कर्नाटक, तमिलनाडु केरल, और पुदुच्चेरी	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
10	केन-बेतवा नदी जोड़	केन और बेतवा	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (चरण-I एवं II) पूरी की गई
11	पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़	पार्वती, कालीसिंध व चंबल	मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश ने सहमति बनाने के स विचार-विमर्श करने अनुरोध किया)	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
12	पार-तापी-नर्मदा नदी जोड़	पार, तापी और नर्मदा	महाराष्ट्र और गुजरात	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी की गई
13	दमनगंगा-पिंजाल नदी जोड़	दमनगंगा और पिंजाल	-वही-	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी की गई

14	बेदती-वर्दा नदी जोड़	बेदती और वर्दा	महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
15	नेत्रावती-हेमावती नदी जोड़	नेत्रवती और हेमवती	कर्नाटक , तमिलनाडु और केरल	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
16	पंबा-अच्चनकोविल-वैप्पार नदी जोड़	पंबा, अच्चनकोविल और वैप्पार	केरल और तमिलनाडु	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
हिमालयी □□□				
1.	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) नदी जोड़	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा	असम, पश्चिम बंगाल, बिहार और भूटान	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
2.	कोसी-घाघरा नदी जोड़	कोसी और घाघरा	बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
3.	गंडक-गंगा नदी जोड़	गंडक और गंगा	-वही-	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई (भारतीय भाग)
4.	घाघरा-यमुना नदी जोड़	घाघरा और यमुना	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई (भारतीय भाग)
5.	शारदा-यमुना नदी जोड़	शारदा और यमुना	बिहार, उत्तर , हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड और नेपाल	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई (भारतीय भाग)
6.	यमुना-राजस्थान नदी जोड़	यमुना और सुकरी	उत्तर प्रदेश , गुजरात, हरियाणा और राजस्थान	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
7.	राजस्थान-साबरमती नदी जोड़	साबरमती	-वही-	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
8.	चुनार-सोन बैराज नदी जोड़	गंगा और सोन	बिहार और उत्तर प्रदेश	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
9.	सोन बांध-गंगा नदी जोड़ की दक्षिणी उपनदियां	सोन और बदुआ	बिहार और झारखंड	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
10.	गंगा(फरक्क)-दामोदर-सुबर्णरेखा नदी जोड़	गंगा, दामोदर और सुबर्णरेखा	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
11.	सुबर्णरेखा-महानदी नदी जोड़	सुबर्णरेखा और महानदी	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
12.	कोसी-मेची नदी जोड़	कोसी और मेची	बिहार, पश्चिम बंगाल और नेपाल	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई, पूरी तरह नेपाल में पड़ता है
13.	गंगा (फरक्का)-सुंदरबन नदी जोड़	गंगा और इच्छामती	पश्चिम बंगाल	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
14.	जोगीघोपा-तीस्ता-फरक्क नदी जोड़ (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	मानस, तीस्ता व गंगा	-वही-	(एम-एस-टी-जी नदी जोड़ का विकल्प) छोड़ दिया गया।

- पीएफआर-साध्यता पूर्व रिपोर्ट
- एफआर-साध्यता रिपोर्ट
- डीपीआर-विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

*****